अन्याय के खिलाफ लड़े राजा हीराखान सिंह

जनजातीय संग्रहालय में नृत्य नाट्य के मंचन के साथ जननायक समारोह का समापन

निज संवाददाता

भोपाल. मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में चल रहे 'जननायक समारोह' का रविवार को राजा हीराखान सिंह की शौर्यगाथा पर आधारित नृत्य-नाट्य के मंचन के साथ समापन हुआ. प्रस्तुति में अन्याय के खिलाफ संघर्ष, पूर्वजों के सम्मान और न्याय के लिए राजा हीराखान सिंह की लड़ाई को मंच पर दिखाया गया.

40 से अधिक कलाकारों ने करीब डेढ़ घंटे की प्रस्तुति में गोंड संस्कृति और परंपराओं को मंच पर उतारा.'राजा हीराखान सिंह छत्री' का निर्देशन नवीन सिंह ने किया, जबकि संगीत कुलदीप सारवा ने दिया. प्रस्तुति का आलेख योगेश त्रिपाठी ने तैयार किया. करीब 10 दृश्यों में राजा हीराखान सिंह के साहस, संघर्ष, युद्ध कौशल और प्रजा के प्रति उनकी जिम्मेदारी को दिखाया गया. लोक आख्यान के अनुसार राजा हीराखान सिंह, राजा कारीकामा के पुत्र थे. कारीकामा की हत्या राजा तपेसिरिया के सैनिकों ने कर दी थी. बाद में हीराखान सिंह को अपने पूर्वजों के साथ हुए अन्याय की जानकारी मिली. इसके बाद उन्होंने तपेसिरिया के खिलाफ युद्ध किया और उसे पराजित कर पूर्वजों की मौत का बदला लिया. जीत के बाद वे अपने राज्य लौटे और राजकाज संभाला. नृत्य-नाट्य में गोंड समुदाय के पारंपरिक संगीत और नृत्यों को भी शामिल किया गया. कलाकारों ने अलग-अलग दृश्यों के जरिए गोंड समाज की सांस्कृतिक परंपराओं और जीवन मूल्यों को प्रस्तुत किया. संस्कृति विभाग की ओर से आयोजित समारोह में गोंड सभ्यता के महानायकों की कथाओं को नृत्य-नाट्य के माध्यम से दर्शकों तक पहुंचाया गया.

बाबा बटेश्वर करेंगे नौका विहार, कुबेर लुटाएंगे खजाना

श्रावण मास का आखिरी सोमवार आज : शिव मंदिरों में होगी विशेष पूजा-अर्चना

निज संवाददाता

भोपाल, 23 अगस्त. श्रावण मास के आखिरी सोमवार पर शहर के प्रमुख शिव मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, अभिषेक और धार्मिक आयोजन होंगे. कहीं बाबा बटेश्वर को नील सरोवर में नौका विहार कराया जाएगा तो कहीं गजराज पर सवार कुबेर श्रद्धालुओं को खजाना लुटाते नजर आएंगे.

दादाजी धाम में सामूहिक रुद्राभिषेक होगा, जबकि नर्मदापुरम से भोपाल पहुंच रही कांवड़ यात्रा में शामिल 500 से अधिक कांवड़िए बाबा बटेश्वर का नर्मदा जल से अभिषेक करेंगे. मंदिरों में आयोजनों को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं.

श्रावण के अंतिम सोमवार पर श्रीबड़वाले महादेव मंदिर में बाबा बटेश्वर का विशेष श्रृंगार किया जाएगा.

मंदिर को फूल-पत्तियों से बगीचे का रूप दिया जाएगा और गर्भगृह को नील सरोवर की तरह सजाया जाएगा. माता गोरा और बाबा बटेश्वर को नाव में विराजमान कर नौका विहार कराया जाएगा. सुबह रुद्राभिषेक और नर्मदा जल से जलाभिषेक होगा. रात 9 बजे महाआरती के बाद भजन संध्या होगी.

रविवार को छोटा तालाब स्थित खटलापुरा हनुमान मंदिर से कांवड़ यात्रा निकाली गई.

कांवड़ियों ने लगाए 101 पौधे : नर्मदापुरम से भोपाल पहुंच रही बाबा बटेश्वर कांवड़ यात्रा में कांवड़ियों ने पर्यावरण संरक्षण और नशामुक्ति का संदेश दिया. रविवार को यात्रा मार्ग पर आम, जामुन, अशोक और पीपल सहित 101 पौधे लगाए गए. यात्रा का समापन सोमवार को होगा. 500 से अधिक कांवड़िए श्रीबड़वाले महादेव मंदिर पहुंचकर नर्मदा जल से बाबा बटेश्वर का अभिषेक करेंगे.

मुक्तेश्वर महाकाल की निकलेगी शोभायात्रा

मुक्तेश्वर मंदिर में सुबह 4 बजे भस्म आरती होगी. शाम 5 बजे महाकाल की शोभायात्रा छोला विश्राम घाट से शुरू होकर गणेश मंदिर होते हुए वापस शमशानी पहुंचेगी. आयोजन में भगवान कुबेर का विशेष स्वरूप आकर्षण का केंद्र रहेगा. कुबेर गजराज पर सवार होकर श्रद्धालुओं के बीच खजाना लुटाने की परंपरा निभाएंगे.

दादाजी धाम में शाम 5 बजे रुद्राभिषेक

रायसेन रोड स्थित दादाजी धाम मंदिर में शाम 5 बजे सामूहिक रुद्राभिषेक होगा. मंदिर ट्रस्ट के अनुसार पंडित राजेंद्र पलिया के मार्गदर्शन में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अभिषेक किया जाएगा. रविवार को पुत्रदा एकादशी पर भगवान श्रीहरि विष्णु और माता लक्ष्मी का पूजन हुआ. इसके बाद श्रद्धालुओं ने हनुमान चालीसा और गुरु गीता का सामूहिक पाठ किया.

नगर में आज

माह का प्रादर्श

समय – सुबह 10 :00 बजे, **स्थान** – मानव संग्रहालय

शलाका चित्रकला प्रदर्शनी

समय – 11 बजे, **स्थान** – जनजातीय संग्रहालय

एक नजर में

परिणाम की चिंता छोड़ें, पुरुषार्थ पर ध्यान दें

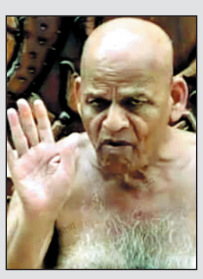

भोपाल,23 अगस्त(निज संवाददाता). श्री विद्योदय तीर्थ एमपी नगर में चल रहे चातुर्मास के दौरान आचार्यश्री समय सागर महाराज ने रविवार को प्रवचन में कहा कि धर्म साधना के दौरान आने वाले कष्टों को देव, गुरु या शास्त्र का दोष नहीं मानना चाहिए. इन्हें अपने कर्मों का परिणाम समझकर साधक को आत्मकल्याण और कर्मक्षय की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए. उन्होंने कहा कि धर्म आराधना किसी सांसारिक लाभ की इच्छा से नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और कर्मों के क्षय के लिए की जाती है. साधक को परिणाम की चिंता छोड़कर अपने पुरुषार्थ पर ध्यान देना चाहिए.

महिलाओं ने सीहोर के धार्मिक स्थलों के किए दर्शन

भोपाल, 23 अगस्त. राजधानी के नारियलखेड़ा से रविवार को कुबरेश्वर धाम-चारधाम यात्रा निकाली गई. इस यात्रा में 500 महिलाएं शामिल हुईं. यात्रा का शुभारंभ सांसद आलोक शर्मा ने किया. यह यात्रा सीहोर पहुंची, जहां पर महिला श्रद्धालुओं ने कुबरेश्वर धाम, गणेश मंदिर, मानसरोवरधाम, खाटू श्याम के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और शाम को वापस भोपाल लौटीं. इस यात्रा का नेतृत्व पार्षद देवेन्द्र भार्गव ने किया.

तिशा ने तीन स्वर्ण से जीता ओवरऑल खिताब

भोपाल, 23 अगस्त (खेल प्रतिनिधि). आईईएस पब्लिक स्कूल की छात्रा तिशा पंथी ने सीबीएसई वेस्ट जोन स्विमिंग चैंपियनशिप-2026 में तीन स्वर्ण पदक जीतकर ओवरऑल चैंपियन का खिताब जीता. तिशा ने 50 और 100 मीटर फ्रीस्टाइल के साथ 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में पहला स्थान हासिल किया. तीनों स्पर्धाओं में प्रदर्शन के आधार पर उन्हें ओवरऑल चैंपियन चुना गया.

सेंट जॉन चर्च में मनाया एजुकेशन संडे

भोपाल, 23 अगस्त (नवभारत न्यूज). गोविंदपुरा स्थित सेंट जॉन चर्च में एजुकेशन संडे (शिक्षा रविवार) मनाया गया, जिसमें सेंट जॉन्स स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों ने विशेष गान,नृत्य और नाटिका से शिक्षा का महत्व बताया. इस अवसर पर डॉक्टर सुमन मार्टिन ने कहा प्रभु यीशु मसीह ने संदेश दिया कि व्यभिचारी, भ्रष्टाचार दूसरों के प्रति बुराइयां करना ये सब बातें मनुष्य के जीवन में संस्कारों की कमी से आती हैं. व्यक्ति के जीवन में शिक्षा का काफी महत्व है.

पूजा ओला ने जीता स्वर्ण पदक

▶ **4 मिनट 17.24 सेकंड में पहला स्थान हासिल किया**

खेल प्रतिनिधि

भोपाल, 23 अगस्त. साई सीआरसी भोपाल की एथलीट पूजा ओला ने भुवनेश्वर में आयोजित वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर इंडिया में 1500 मीटर दौड़ का स्वर्ण पदक जीता है. उन्होंने 22 अगस्त को 4 मिनट 17.24 सेकंड का समय निकालकर पहला स्थान हासिल किया.

यह उपलब्धि भोपाल में प्रशिक्षण ले रही एथलीट के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में महत्वपूर्ण रही. अंतिम दौर में उन्होंने बढ़त कायम रखी और सबसे पहले फिनिश लाइन पार की. प्रतियोगिता में देश के प्रमुख मिडिल डिस्टेंस धावकों ने हिस्सा लिया था. पूजा के कोच सौरभ कुमार यादव ने बताया कि रेस से पहले तय की गई रणनीति पर उन्होंने अच्छी तरह काम किया. शुरुआत में धैर्य रखने और अंतिम चरण के लिए ऊर्जा बचाने की योजना सफल रही. कोच के मुताबिक, लगातार अभ्यास और प्रतियोगिताओं के अनुभव का प्रदर्शन में फायदा मिला. साई सीआरसी भोपाल के क्षेत्रीय निदेशक अभिषेक सिंह चौहान ने कहा कि यह परिणाम खिलाड़ी और उसके प्रशिक्षण दल की मेहनत का नतीजा है.

महिलाओं ने मनाई हरियाली तीज

भोपाल, 23 अगस्त. महामाया गार्डन मिसरोद रोड भोपाल में रविवार को मनीषा पवार द्वारा हरियाली तीज एवं सावन का कार्यक्रम आयोजित किया गया. आयोजन में लगभग 40 महिलाओं ने शिरकत की. कार्यक्रम में महिलाओं ने ग्रुप डांस, सोलो डांस, सॉन्ग, फिल्मी गानों की प्रस्तुति दी. इस दौरान तंबोला एवं अन्य गेम्स का आयोजन किया गया. सभी ने झूला झूलकर हरियाली तीज एवं सावन कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया.

127 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

▶ **संत निरंकारी सत्संग भवन में शिविर**

नवभारत न्यूज

भोपाल, 23 अगस्त. सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के आशीर्वाद से संत निरंकारी चेरिटेबल फाउण्डेशन के तहत जोनल इंचार्ज अशोक जुनेजा के मार्गदर्शन में रविवार को विशाल रक्तदान शिविर संत निरंकारी सत्संग भवन, जहांगीराबाद में शासकीय हमीदिया ब्लड बैंक के सहयोग से सम्पन्न हुआ.

शिविर में 127 यूनिट रक्तदाताओं ने रक्तदान किया. सुबह से ही रक्तदाताओं की लम्बी कतारें लगी रहीं तथा युवाओं एवं महिलाओं ने भी उत्साहपूर्वक रक्तदान किया. जोनल इंचार्ज जुनेजा ने बताया कि निरंकारी मिशन के भक्तों के लिए रक्तदान जनकल्याण की सेवा भावना का एक अभिन्न अंग रहा है. बाबा हरदेव सिंह जी महाराज के कथन 'रक्त नालियों में नहीं, नाड़ियों में बहे' को मिशन के अनुयायियों ने सदैव चरितार्थ किया है. वर्तमान में सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के निर्देशानुसार यह सेवा निरंतर आगे बढ़ाई जा रही है.

डॉ.मधु शुक्ला की पुस्तक लोकार्पित

भोपाल. दुष्यंत कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय के राज सदन में गीतकार डॉ.मधु शुक्ला की पुस्तक 'कुछ मन के कुछ मौसम के' का लोकार्पण हुआ. कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार प्रो.रामेश्वर शुक्ल पंकज ने की. मुख्य अतिथि देहरादून से पधारे वरिष्ठ गीतकार डॉ.बुद्धिनाथ मिश्र. विशिष्ट अतिथि राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव थे. सारस्वत अतिथि राज्य सूचना आयुक्त राजेश भट्ट थे. कार्यक्रम का संचालन घनश्याम मैथिल 'अमृत' ने किया.

शब्द, भाव और चेतना की संगति ही है साहित्य : प्रो. पवन विजय

▶ **हिन्दी भवन में पावस व्याख्यानमाला**

नवभारत न्यूज

भोपाल, 23 अगस्त. मप्र राष्ट्रभाषा प्रचार समिति द्वारा रविवार को हिन्दी भवन के पद्मश्री कैलाशचंद्र पंत सभागार में पावस व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया. इसमें दो सत्रों में साहित्य और समाज से जुड़े विषयों पर व्याख्यान हुए.

पहले सत्र में दिल्ली से आये प्रो. पवन विजय ने 'आध्यात्मिक लेखन का साहित्यिक अवदान' विषय पर कहा कि साहित्य शब्द, भाव और चेतना की विसंगति नहीं, बल्कि संगति है, लेकिन एक विचाराधारा के लोगों ने अपने नरेटिव के माध्यम से वैदिक साहित्य को परिदृश्य से गायब कर दिया. रामचरित मानस को साहित्य से निकालकर पूजा- पाठ की पुस्तक बना दिया. अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि आज का युग तकनीक का युग है. हर आदमी अपनी मुट्ठी में ज्ञान लेकर चल रहा है. यही वजह है कि अब किसी से कुछ पूछने-समझने की जरूरत ही नहीं रही. यह स्थिति अच्छी नहीं कही जा सकती. इस तरह की संवादहीनता समाज के लिए अच्छी नहीं है. कार्यक्रम को समिति के मंत्री संचालक डॉ. विकास दवे ने भी संबोधित किया. आरंभ में समिति के पुस्तकालय का लोकार्पण किया.

दूसरे सत्र में शिक्षाविद् डॉ. देवेन्द्र दीपक की अध्यक्षता में हुए व्याख्यान में पटना से आये डॉ. गुरुप्रकाश पासवान ने कहा सामाजिक समरसता की कल्पना तभी की जा सकती है जब यह समाज शोषणमुक्त और समतायुक्त हो.

पुस्तकों का लोकार्पण

इस अवसर पर समिति के पूर्व मंत्री संचालक स्व. कैलाशचंद्र पंत को समर्पित 'अक्षरा' के नए अंक तथा सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति डीएम धर्माधिकारी की पुस्तक 'न्याय का अनकहा सफर' का लोकार्पण भी किया गया.

उत्साहवर्धन सेवा भारती सुभाष मंडल ने आयोजित किया सम्मान समारोह

सेवा बस्तियों के 175 मेधावी बच्चों का सम्मान

नवभारत न्यूज

भोपाल, 23 अगस्त. सेवा भारती सुभाष मंडल ने सेवा बस्तियों में संचालित संस्कार केंद्रों के मेधावी विद्यार्थियों का रविवार को करियर कॉलेज ऑडिटोरियम में सम्मान किया.

इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां भी दी गईं. समारोह के मुख्य वक्ता सेवा भारती महानगर अध्यक्ष शिवमंगल सिंह ने कहा कि शिक्षा केवल रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कारवान और जिम्मेदार नागरिक बनाने का आधार है. विशिष्ट अतिथि महापौर मालती राय ने शिक्षा एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में सेवा भारती द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की.

सेवा भारती महानगर के मीडिया प्रभारी भगवानदास ढालिया ने बताया कार्यक्रम में एचपीसीएल के मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक कपिल राय का विशेष सहयोग रहा. मुख्य अतिथि डॉ. अनुपम चौकसे, डॉ. एल.एन. मालवीय, डॉ. विजयलक्ष्मी वर्मा थे. अध्यक्षता के.एल. शर्मा, प्रांत अध्यक्ष, विश्व हिंदू परिषद ने की. सभी विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह, प्रमाण पत्र और स्कूल बैग दिए. कार्यक्रम का संचालन डॉ. सत्येंद्र बघेल एवं सुमन सेंगर ने किया. सेवा भारती सुभाष मंडल के अध्यक्ष ताराचंद जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया. इस अवसर पर कमला राय, सचिव नरेंद्र खुबानी, कोषाध्यक्ष अवधेश श्रीवास्तव सेवा भारती महानगर उपस्थित रहे.